② 8/8

सेवा में,

अंचल अधिकारी, दुमका,
द्वारा अंचल निरीक्षक दुमका,

विषय :- नामान्तरण वाद संख्या —/2005-06 आवेदिका अरुणीमा नन्दीता सेन, पिता स्व॰ जितेन्द्र सनातन सेन ग्राम दुमका सदर के आवेदन पत्र का जाँच प्रतिवेदन के सम्बन्ध में,

महाशय,

आदेश अनुसार उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में आवेदन पत्र का जाँच मौजा दुमका सदर के आवेदन पत्र का जाँच पंजी II एवं आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर कि गई जाँच जो निम्न प्रकार है।

मौजा दुमका सदर के पंजी II खण्ड III खाता न॰ 36/32 दाग न॰ 95 रकबा 0-04-2½ धुर जमीन खाताधारी प्रणव प्रतिमा सेन के नाम से दर्ज है।

आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत कागजातों को अवलोकन किया पाया कि मौजा दुमका सदर के खाता न॰ 36/32 दाग न॰ 95 रकबा 0-4-2½ धुर जमीन [illegible] खाताधारी ने अपने पुत्रियों को पारिवारिक बंटवारा के द्वारा दे दिया। उक्त जमीन को आवेदिका अपने नाम से नामान्तरण करना चाहती है।

स्थल जाँच किया पाया कि आवेदित जमीन पर मकान बना हुआ है जो आवेदिका सहपरिवार निवास करते हैं। आवेदित जमीन नगर पालिका क्षेत्र के अन्तर्गत क्रय विक्रय योग्य भूमि है। अतः उद्घोषित [illegible] का जमीन नहीं है।

अतः आवेदित जमीन का नामान्तरण खोलने हेतु आवेदिका [illegible] का जाना पंजी प्राप्त होने पर किया जा सकता है।

1. आवेदन पत्र का एक प्रति
2. ~~[illegible]~~ पारिवारिक बंटवारानामा पत्र का छायाप्रति

विश्वास भाजन
[signature] 28/3/06

ब॰ अ॰ नि॰
अभिलेख के प्रतिवेदन के आलोक में प्रस्तुत

अरुणिमा नन्दिता सेन

No, 129

True Copy from original deed.

दलील ग्रहिता :- श्रीमती प्रनय प्रतीमा सेन स्वामी श्रीयुक्त सनातन-चन्द्र सेन जाति स्वर्णकार पेसा गृहस्थिनी साकिन अरियाडि तालुक तमाडिया सार्कले तमाडिया थाना मसलिया सबडिविजन वो सबरजिस्ट्री दुमका जेला साँवताल पगना।

दलील दात्री :- श्रीमत्या तारावती कुमारी स्वामी स्व० बाबु जगदम्ब स्वजाय पेसा गृहस्थानी साकिन दुमका टाउन सबरजिस्ट्री वो सबडिविजन वो थाना दुमका जेला साँवताल पगना, जाति कायस्थ।

कोस कोबला दलील -।

सम्पत्ति मुल्य मोट ५००) पाँचशत टाका।
(जमि मुल्य १२५) एकशत पंचिश टाका वो तदुपरि स्थित घरबाड़ी वो घरेर यावतीय साज सरञ्जाम, पाका इन्दारा वो पाका - प्राचीर मुल्य ३७५) तिनशत पंचात्तर टाका निर्धारित करा हइल।

इसादी
श्री अतुलचन्द्र राय
दुमका
२९।१।४६

श्री नित्यानन्द खाँ
सा: दुमका
२९।१।४६

सम्पत्तिर विवरण :-

जेला साँवताल पगना सबडिविजन वो सबरजिस्ट्री दुमका थाना दुमका नं, ६ अन्तर्गत दुमका टाउन मध्ये महल्ला कुमार पाड़ा अन्तर्गत बसौड़ी मोकररी मिउनिसिपालिटी वार्ड नं, २ होल्डिंग नं, २९८ चौहद्दी :- उक्त मकान अयोध्या मिसिर दक्षिण :- मकान-भोवन साह, पूर्व :- तकुट परती स्थान बाद ३ फुट नाली बाद सड़क, पश्चिम खाली जमिन बालगोविन्द साह एई चौहद्दी मध्ये /४॥। आ चारिकठा साड़े सात धुर माय तदुपरिस्थित खापर पोस घरबाड़ी वो घरेर यावतीय साज सरञ्जाम पाका इन्दारा माय पाका प्राचीर। मालियाना खाजना १०॥।≡) दश टाका पनेर आना।

दुमका
ता :- २९।१।४६

अरुणिमा नन्दिता सेन

कस्य बसौड़ी मौकरसी घर बाड़ी विक्रयेर सौम कौवला पत्र मिदं कार्यञ्चागे :-

उपरि लिखित तपशीलेर सम्पत्ति मर्गेज दिया कर्ज लइयाछि सकलेर उक्त मार्गेजेर टाका परिशोध जन्य वो अनिदा बाकी खाजना जन्य नालिश करियाछे उक्त खाजना परिशोध जन्य वो सांसारिक खरचादि निर्बाह जन्य आमार टाकार विशेष प्रयोजन हवयाय उपरि-लिखित तपशीलेर सम्पत्ति विक्रय करिवार प्रस्ताव करय ताहा आपनि सर्बोच्च मूल्ये खरीद करिते स्वीकृत हवयाय अद्य तारिखे उचीत मूल्ये उपरि लिखित तपशील अनुयायी जमिर मूल्य १२५) एकशत पंचिश टाका वो उपरिलिखित घर वो साजसरञ्जाम आदिर मूल्य ३७५) तिनशत पंचात्तोर टाका मोट ५००) पाँचशत टाका पने आपनाके विक्रय करिलाम वो समस्त टाका आमि पायलाम।

एत द्वारा अंगीकार करितेछि जे अद्य तारिख हइते एइ कोवाला दलीलेर बले आमार यावतीय स्वत्वे स्वत्ववती हइया एवं दान, विक्रय, हेवा, हस्तान्तर आदिर मालिक हइया सिर्ब्बुर स्वत्वे पुत्र पौत्रादि गण क्रमे परम सुखे भोग दखल करिते थाकुन, ताहाते आमि मायं वारिशान वो स्थलाभिषिक्त गण कस्मिन काले कोन प्रकार वाधा अवत्यादि करिते पारिबना वा पारिबेना, यदि केह करे वा आमि करि ताहा हइले ताहा आईन आदालते बातिल वलिया गण्य हइबे।

प्रकाश थाके जे एइ कोवाला बले आपनि आपनार सेटेलमेन्ट वो मिउनिसिपालिटी अफिसे आमार नाम कर्त्तन कराइया आपनार निज नामे नाम जारी करिया सन-सन खाजनादि आदाय दिया भोग दखल करिबेन, ताहाते वो आमि मायं वारिशान वो स्थलाभिषिक्त गण कोन प्रकार बाधा विघ्न वा वोजर आपत्यादि करिते पारिबना वा पारिबेना।

आरो प्रकाश थाके जे अत्र दलीलेर लिखित सम्पत्ति इहाछाड़ा आरो काहारो निकट दायसम्पोंग वा हस्तान्तर करि नाइ। यदि ताहा प्रकाश पाय वा आमार कृत कार्येर जन्य उक्त तपशीलेर लिखित सम्पत्तिते कोन प्रकार स्वत्वेर वा दखलेर बाधा विघ्न घटे ताहा हइले दलीलेर लिखित पनेर टाका मायं उपयुक्त सूद वो क्षतिपुरन जन्य आमि मायं वारिशान वो स्थलाभिषिक्त गण बाध्य थाकिलाम वो — तत्कृत अपराधे आमि दण्डनीय हइब।

एत दर्थे अत्र कोबालार लिखित नगद ५००)-

पाँचहात थाका पन पाइया स्वइच्छाय सुस्थशरीरे वा सरल अन्तःकरणे एइ खोस कोबला सम्पादन करिया दिलाम। इति सन १२५२ साल १४ई माघ।
इंराजी २८।१।४६ ऊनिशशत छिचल्लिश साल - आठाइश जानुआरी -।

लेखक :-

श्री आशुतोष मिश्र
(दुमका
२८।१।४६

Copied by

अरुणिमा नन्दितासेन